पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 4, अंक 43 माह - अक्टूबर 2022, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

लीफी फाउंडेशन के संस्थापक रमन बहल दिल्ली से सागर आए

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

गुलझारीलाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 4, अंक - 43, अक्टूबर - 2022

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

1. ग्रामीण उद्योगों की मैक्रो अर्थव्यवस्था में भूमिका 4

2. बड़ी उपलब्धि : लीफी फाउंडेशन के संस्थापक रमन बहल दिल्ली से सागर आए 6

3. बाजार में गोबर से बने दियों की मांग बढ़ी मथुरा, भोपाल और दिल्ली में लगे स्टॉल 9

4. रक्तदान अमृत महोत्सव पर विचार समिति प्रांगण में 102 लोगों ने किया रक्तदान 13

5. विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली में विचार समिति की टीम शामिल हुई...... 17

6. स्वस्थ, स्वच्छ खानपान एवं जीवन शैली के प्रति जागरूकता लाना है : अमरीश दुबे........... 18

7. निःस्वार्थ सेवाभाव से जुड़े बागवानी व पर्यावरण प्रेमियों का समिति ने किया सम्मान 19

मीडिया कवरेज :- 20

ग्रामीण उद्योगों की मैक्रो अर्थव्यवस्था में भूमिका

रोहन कुमार
शोधार्थी
विचार समिति

ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय विभिन्न उद्योगों के रूप में शुरू होता है। संसाधनों और परंपराओं से प्राप्त अलग-अलग अद्वितीय कौशलों के साथ मैक्रो अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण उद्योगों में मुख्यत: कृषि आधारित उद्योग तथा हस्तशिल्प और कई अन्य उद्योग को लिया जा सकता है।

दक्षिण भारतीय लोगों में लकड़ी तराशने का अनूठा कौशल है। इन उद्योगों को शुरू करने में मुख्य सहायक अनुकूलित वातावरण, श्रम, कम लागत से शुरू किये जा सकते हैं। 2009 में कृषि क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद का 16.1 प्रति. था। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के निजी एवं सहकारी स्तर पर प्रयास किया जाता है। जिससे गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आ सके। व्यावसायिक रूप से अगर देखा जाये तो ग्रामीण क्षेत्रों से अपने उत्पादों के लिए एक प्रमुख बाजार के निर्माण के लिए ग्रामीण क्रय शक्ति के विकास में उद्यमों की लम्बे समय से रुचि रही है। उपयोग के लिए वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक के रूप में कुछ ग्रामीण उद्योग सामाजिक और आर्थिक विकास के बारे में पर्याप्त जानकारी रखते है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का ग्रामीण कृषि से सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 46 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 25-40 प्रतिशत योगदान हैं।

ग्रामीण उद्योगों का महत्व इसलिए और अधिक बढ़ जाता है। देश के बहुत बड़े वर्ग समुदाय के लिए रोजगार के समान अवसर प्रदान करता है। लघु उद्योग ग्रामीण संसाधनों पर आधारित होते हैं। ग्रामीण उद्योगों का उद्देश्य बेरोजगारी के स्तर को कम करना और व्यक्तिगत और घरेलू आय को शामिल करना है।

ग्रामीण उद्योगों के तत्व

1. कृषि आधारित उद्योग :- कृषि ग्रामीण उद्योगों का एक महत्वपूर्ण अंग है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आश्रित है तथा सकल घरेलू

उत्पाद में इसकी लगभग 24 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही। आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 49 प्रतिशत लोग आश्रित हैं। जीडीपी में इसका योगदान 16 प्रतिशत है।

2. वन आधारित उद्योग :- वन आधारित उद्योग वे उद्योग हैं जो वन उत्पादों को कच्चे माल के रूप में उपयोग करते हैं। मुख्य वन आधारित उद्योग निम्नलिखित हैं।

- लुगदी और कागज उद्योग
- दवा उद्योग
- फर्नीचर और भवन
- बीड़ी बनाने का उद्योग
- रेशम उद्योग
- लाख उद्योग
- खेल के सामान और हस्तशिल्प उद्योग

3. हस्तशिल्प उद्योग :- भारतीय परंपरा में हथकरघा उद्योग ग्रामीण उद्योगों का हिस्सा हैं। ग्रामीण उद्योग क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करते हैं। ग्रामीण श्रमिकों को पूर्णकालिक और अंशकालिक रूप से नियोजित किया जाता है। कम पूंजी उत्पादन में खादी और ग्रामोद्योगों के कारण कमजोर वर्गों को विशेष मदद मिली है। ग्रामीण उद्योग अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं। उद्योग क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद करते है।

निष्कर्ष :- भारत विश्व में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत में कृषि-आधारित उद्योगों का महत्वपूर्ण स्थान है। राष्ट्रीय आय में 14.8 प्रतिशत के योगदान के साथ-साथ कृषि देश की 65 प्रतिशत आबादी को रोजगार व आजीविका भी प्रदान करती है। कृषि-आधारित उद्योग-धंधों में कपास उद्योग, गुड व खांडसारी, फल व सब्जियों-आधारित, आलू-आधारित कृषि उद्योग, सोयाबीन-आधारित, तिलहन-आधारित, जूट-आधारित व खाद्य संवर्धन-आधारित आदि प्रमुख उद्योग हैं। पिछले कुछ वर्षों में दूसरे उद्योगों की भांति कृषि-आधारित उद्योगों में भी काफी सुधार हुआ है। हाल ही में कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक सरकारी योजनाओं की शुरुआत की गई, जिनमें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्टार्टअप आदि प्रमुख हैं। साथ ही कृषि आधारित उद्योगों हेतु नई-नई प्रौद्योगिकियां, तकनीकियां एवं उन्नत मशीनें विकसित की गई हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण युवाओं व किसानों को स्वरोजगार के साथ-साथ आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा देने में मदद मिली है।

बड़ी उपलब्धि **लीफी फाउंडेशन के संस्थापक रमन बहल और रूबीना शर्मा दिल्ली से सागर बच्चों की पढ़ाई व शिक्षकों का निरीक्षण करने सागर आए**

शिक्षा ही बच्चों के जीवन को सवार सकती है, आप सभी उनका उत्साह बढ़ायें : रमन बहल

लर्निंग इनिशिएटिव फॉर इंडिया एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'लीफी चेंजमेकर्स फेलोशिप' अभियान के अंतर्गत गरीब बच्चों को पढ़ाया जा रहा है

लीफी संस्थापक रमन बहल एवं रूबीना शर्मा बच्चों को समझाते हुए।

लर्निंग इनिशिएटिव फॉर इंडिया एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'लीफी चेंजमेकर्स फेलोशिप' अभियान के दो माह की शैक्षिक गुणवत्ता एवं निरंतरता को परखने तथा अभियान अंर्तगत बच्चों के सीखने का स्तर, नए अनुप्रयोगों की जानकारी, शैक्षिक प्रक्रिया में आवश्यक अनुदेशन के साथ शिक्षकों की व्यावहारिक कुशलता के लिए लीफी संस्थापक रमन बहल, विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया, समिति देश प्रमुख भुवनेश सोनी, रुबीना शर्मा ने तीन दिवसीय औपचरिक निरीक्षण में 'यूथ टीचर लीडर' पूजा मिश्रा, ज्योति जैन, कविता यादव, प्रियंका साहू, काजल जैन के शिक्षण केन्द्रो पर जाकर शिक्षकों एवं बच्चों से मुलाकात, पाठ्य विषय सामग्री को रोचक बनाने में उनकी कुशलता एवं शिक्षण पद्धतियों के प्रयोगों को व्यवहारिक रूप पूरी जानकारी ली। कक्षा-सत्र के माध्यम से लीफी संस्थापक रमन बहल एवं रुबीना ने बच्चों को जोड़ा।

लीफी फाउंडेशन के संस्थापक रमन बहल ने बताया कि शिक्षा ही बच्चों के जीवन को सवार सकती है, आप सभी उनका उत्साह बढ़ायें। यूथ टीचर लीडर ज्योति जैन अपने घर के बाहर एक छोटे से बरामदे में बच्चों को पढ़ा रहीं थीं, कविता

लीफी संस्थापक रमन बहल बच्चों को शब्दार्थ एवं आकृतियों की पहचान कराते हुए।

यादव, प्रियंका साहू के शैक्षणिक स्थल पर भारी बारिश के कारण पानी भर गया था, पूजा मिश्रा का धैर्य, काजल जैन का न थकने वाला कार्य मुझे अच्छा लगा। हमारा सबसे बड़ा अगला कदम अब यूथ लीडर टीचर को और अधिक रणनीतियों के साथ समर्थन देना ताकि वे सभी बच्चों को शत्-प्रतिशत शिक्षा दे सकें।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुये कहा शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए सबसे जरूरी है छात्रों व शिक्षकों का निर्धारित समय तक ठहराव, साथ ही सीखने व सिखाने की प्रक्रिया ठीक तरह से संपन्न हो। शिक्षा पर हर बच्चे का पूरा अधिकार है, लेकिन सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलती। हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए सभी को प्रयास करना होगा। हमारा प्रयास है कुशल युवावर्ग को प्रोत्साहित करें तथा अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा से जोड़ें। 'लीफी चेंजमेकर्स फेलोशिप' अभियान के तहत पांच शिक्षकों के द्वारा 225 बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है।

समिति देश प्रमुख भुवनेश सोनी ने बताया की सभी शिक्षक बहुत मेहनत कर रहे है। शैक्षिक गतिविधियों को पूर्ण उदेश्य के साथ पूरा करना, जो कमियां है उन्हें सुधारना, साथ ही शिक्षक बच्चों को साहसी समझदार बनायें। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां, उन्हें दुर्घटनाओं से सम्बंधित जानकारी दें और वे सावधनी से रहें।

यूथ टीचर लीडर पूजा मिश्रा गुरुगोविंसिंह वार्ड से है। उन्होंने बताया कि लीफी संस्थापक रमन बहल ने चयनित बच्चों के माता-पिता से मुलाकात कर उनका हाल चल जाना साथ ही लीफी के उदेश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के बौद्धिक स्तर के लिए बड़े ही रोचक तरीके से कक्षा-सत्र के माध्यम से पाठ्य वस्तु से जोड़ा। जिसमें अक्षर ज्ञान, इकाई एवं दहाई अंको को जोड़ना-घटना, चीजों को पहचाने और उन्हें व्यक्त के तरीकों को जाना, रमन बहल के व्यवहारिक कुशलता ने बहुत कम समय में बच्चों को मोह लिया सभी बच्चों ने बहुत ही मन से सब सीखा। यूथ टीचर लीडर ज्योति जैन मढ़देवरा (शाहगढ़) में ग्रामीण बच्चों की शिक्षा

रूबीना शर्मा बच्चों को पर्यावाची शब्द एवं रमन बहल ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह।

गुणवत्ता सुधारने के उदेश्य से शिक्षित कर रही है। ज्योति ने निरीक्षण के दौरान बताया की अधिकतर बच्चे आदिवासी समुदाय से आते है। उनके माता-पिता ग्रामोउद्योग से जुड़े हुए है, बच्चे भी सहयोगी तौर पर माता पिता के साथ कार्य में हाथ बटातें है। इन बच्चों के लिए अभियान बहुत ही लाभदायक है। रुबीना शर्मा ने उनके कक्षा-सत्र का अवलोकन किया जिसमें ज्योति ने कहानी के माध्यम 'सुनो और सीखो' के माध्यम सीखने की प्रक्रिया से बच्चों को पढ़ाया।

रमन बहल ने बच्चों को कक्षा-सत्र के माध्यम से बच्चों को शैक्षिक प्रक्रिया से जोड़ा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के लिए उन्हें शुभकामनायें दीं।

यूथ टीचर लीडर काजल जैन अरिहंत बिहार कालोनी से हैं। पिछड़े क्षेत्र के बच्चों को चयनित कर बच्चों को शिक्षित कर रही है। उनका बच्चों के प्रति आत्मीय स्वभाव बहुत प्रभावित करता है। लीफी संस्थापक रमन बहल ने बच्चों को कक्षा-सत्र के माध्यम से चीजों को पहचानने जैसे - आयताकार, वृताकार, तिरभुजाकर क्रियाविधि के माध्यम से ढूंढ़ने और घर पहचानने तथा उन्हें समूह बनाकर चीजें पहचानने को खेल विधि के माध्यम से सिखाया। इसके बाद वर्कबुक में कार्य करवाया। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया।

यूथ टीचर लीडर कविता यादव संत रविदास वार्ड निवासी है। बच्चों को पढ़ाने में गहरी रुचि लेती हैं, शिक्षा प्रक्रिया का उदेश्य उनमें जिज्ञासा की भावनाओं का विकास करना है। रुबीना शर्मा ने सभी बच्चों को कक्षा-सत्र के माध्यम से उन्हें शब्दार्थ, पर्यावाची पहचानने के लिए जोड़ा, बच्चों के भावी प्रदर्शन के लिए एवं पाठ्य सामग्री को लचीली बनाना जिससे प्रत्येक बच्चा सीखने की प्रक्रिया में स्वयं शामिल हो सके।

यूथ टीचर लीडर प्रियंका साहू संतरविदास वार्ड निवासी हैं। स्कूल छोड़ने वाले एक परिवार की तीन बेटियों को आगे लाने विशेष प्रयास कर रही हैं। लीफी संस्थापक रमन बहल ने कहा आपके और बेटियों के जीवन में शिक्षा के माध्यम से बदलाव आ सकेगा। सभी बच्चों के साथ कक्षा-सत्र के माध्यम से बच्चों को सिखाया।

निरीक्षण के अंतिम चरण में आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ कक्षा प्रक्रिया को निरंतर बनाये रखने की सलाह दी। रुबीना शर्मा ने अवलोकन पश्चात कहा कि शैक्षिक प्रक्रिया समाहितकर बच्चों को पढ़ाना, शब्दार्थ को नाम से जोड़ना।

लीफी संस्थापक रमन बहल ने कहा पढ़ाने से पहले कुछ नियम बनायें, सभी का ध्यान केंद्रित हो, अलग-अलग समूहों को बनायें। इसके साथ उन्हें अधिक से अधिक क्रियाविधि के माध्यम से सीखने को प्रेरित करें।

विचार समिति ने साढ़े छह लाख गोबर के दिये बनवाये

बाजार में गोबर से बने दियों की मांग बढ़ी मथुरा, भोपाल और दिल्ली में लगे स्टॉल

गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते, पानी में तैर सकते हैं, औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं

सुंदर चित्रकारी से सुसज्जित गोमय दिये।

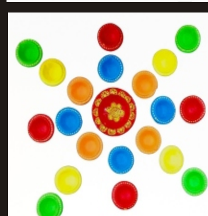

यह गोमय दिये विचार समिति कार्यालय, स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा एवं समिति की बेवसाइट www.vicharsamiti.in पर जाकर shop पर क्लिक करके स्वेच्छानुसार दिये खरीद सकते हैं।

आविष्कार तभी होता है जब जरुरत होती है। कोरोना जैसे महामारी के कारण नौकरियों का हाल भी ख़राब है रोजगार के नए तरीके निकाले जा रहे हैं उन्ही में से एक है वोकल फॉर लोकल, जो की स्थानीय क्षेत्रों में रोजगार उत्पन्न करता है। लोकल फॉर वोकल के बाद बहुत सी संस्थाएं और सेलेब्रटीज इसके लिए आगे आये हैं और लोगों से अपील कर रहे हैं कि लोकल खरीदने में शर्माए नहीं। इसी तर्ज पर सागर की विचार समिति ने गाय के गोबर से तैयार होने वाले दियों की बाजार में बढ़ती मांग को देखकर गोबर के दिये बनाकर सागर की महिलाएं को आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ाया है। इस ओर आगे बढ़ने का मुख्य कारण यह दिये प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं।

भोपाल में गोबर से बने दियों का स्टाल लगाया। दियों का अवलोकन करते हुए पूर्व मंत्री जयंत मलैया।

इसके लिए विचार समिति तेजी से महिला समूहों के साथ कार्य कर रहा है।

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया मीडिया को बताते हैं कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दियों का निर्माण कर चुकी हैं। इस वर्ष के दियों की खासियत यह है कि यह दिये गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णत: सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं।

शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास होता है ।दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिये जलाये जाने वाले मिट्टी के दियों के स्थान पर इस बार गोबर के दियों से घर-आंगन रोशन होंगे। रंग-बिरंगे गोबर के ये दीए पहली बार बाजार में आ भी गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। दीये को दीपावली में उपयोग करने के बाद जैविक खाद बनाने में उपयोग में लाया जा सकता है। दीये के अवशेष को गमला या किचन गार्डन में भी उपयोग किया जा सकता है। इसलिए गोबर के दिये को ईको फ्रेंडली माना जाता है। अब हम इन उत्पादों को बनाने में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। जिसमें महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया व महिलाओं ने बड़े ही रुचि के साथ इस कार्य को सीखा ।इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की

मथुरा में गोबर से बने दियों का स्टॉल समिति देशप्रमुख भुवनेश सोनी के मार्गदर्शन में लगाया गया।

ओर आगे बढ़ेगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दिए टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं एवं अन्य सभी जानकारियां उन्हें दी जाती है। इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं। 'वोकल फॉर लोकल' वैश्वीकरण के नए रूप का आह्वान है जो की लाभ से प्रेरित है। जिस तरह भारत में ज्ञान का भंडार है, युवाओं के पास कौशल है, नियमितता व लगन इन्ही को देखते हुए ये आह्वान किया गया है कि हम सभी मिलके भारत को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर किसी अन्य देश से मांगने पर निर्भर रहने से अच्छा है की हम इसका संयोजन कर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराएं। जितना ज्यादा देश की जनता स्थानीय सामान से अपनी जरुरत को पूरा करेगी उतना ही सामान को आयात कम करना पड़ेगा।

गाय का गोबर सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है : समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने गाय के गोबर का महत्व बताते हुए कहा कि हिंदू धर्म में गाय को देवी देवता के तुल्य माना जाता है। धार्मिक शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि गाय के अलग-अलग अंग में अलग-अलग देवी देवता निवास करते हैं। मगर सबसे ज्यादा हिंदू धर्म को मानने वाले गाय के गोबर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसी मान्यता है कि गाय का गोबर बहुत ज्यादा शुभ होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है। यदि आप गोबर का इस्तेमाल किसी भी कार्य में करते हैं, तो आपको उसके शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

गोबर दिया

गोबर दियों से संबंधित प्रश्न जो आपके मन में आ सकते है

- गोबर से बने यह दिए आग क्यों नहीं पकड़ते हैं?

– गोबर को सुखाकर एकदम महीन बारीक पीस लिया जाता है। सांचे की सहायता से उसे दबाया जाता है जिससे उसके अंदर हवा प्रवेश नहीं कर पाती है और कुछ मात्रा में मिट्टी मिलाने से आग नहीं पकड़ते हैं।

- अगर दियों में मिट्टी मिलाई गई है तो बाजार के दियों और गोबर दियों में क्या अंतर है?

– बाजार में उपलब्ध दियों की मिट्‌टी पकी हुई होती है जिसके कारण उसे पुन: उपजाऊ होने में 80 वर्ष लग जाते हैं। गोमय दियों में उपलब्ध मिट्टी पकी ना होने के कारण दो माह में खाद बन जाता है।

- गोबर से बने दियों में क्या-क्या सामग्री मिलाई गई है?

– गोबर से बने दियों में 70 प्रति. की मात्रा में गोबर और कुछ मात्रा में मिट्टी, लोच लाने के लिए पत्तियां एवं अन्य प्राकृतिक चीजों का चूर्ण मिश्रण किया गया है।

- अगर यह दिये प्राकृतिक हैं तो कलर क्यों किया गया है?

– यह कलर वॉटर वेस है जिस कारण यह पानी में बह जाता है। यह नुकसान नहीं करता।

- यह दिये पानी में क्यों और कैसे तैरते हैं?

– कलर के कारण यह दिये 3 से 4 घंटे तक पानी नहीं सोख पाते हैं। जिसके कारण यह दिए तैरते रहते हैं। मिट्टी के दिये की तुलना में यह काफी हल्का होता है।

- क्या इन दियों का परीक्षण कर सकते हैं? एक दिये को कितने बार प्रयोग कर सकते हैं?

– हां, आप इन दियों को जलाकर, पानी में तैराकर देख सकते हैं। एक दिये को चार से पांच बार उपयोग किया जा सकता है।

- गोबर दियों का निर्माण किसके द्वारा किया गया है?

– यह गोमय दिये जरूरतमंद निर्धन महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं। दियों के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार प्राप्त होगा। यह महिलाएं पहले छोटे-छोटे उद्योग जैसे बीड़ी एवं अन्य उद्योगों से जुड़ी हुई थीं। जिससे उनकी आय बहुत कम थी।

- विचार समिति द्वारा संचालित गोमय परियोजना का उद्देश्य क्या है और इसके लाभ का वितरण कहां किया जाता है?

– विचार समिति सामाजिक बदलाव की दिशा में कार्य कर रही है जिसमें बौद्धिक, सामाजिक व आर्थिक सहित सभी पक्ष समाहित हैं जिसके अंतर्गत गोमय परियोजना के माध्यम से समिति समाज के आर्थिक पक्ष को सुदृढ़ करना चाहती है। गोमय दियों के माध्यम से निर्धन परिवारों को कार्य अनुसार लाभ प्रदान किया जाता है।

- गोबर से बने दिये कितनी डिजाइनों में उपलब्ध हैं?

– हमारे पास 250 डिजाइन हैं। प्रत्येक दिया अपने आप में एक नई डिजाइन के साथ उपलब्ध है। बहुत ही सुंदर कलाकृतियों के साथ इन्हें सजाया गया है।

रक्तदान अमृत महोत्सव पर विचार समिति ने आयोजित किया मेगा ब्लड डोनेशन कैंप

कपिल मलैया के नेतृत्व में 102 लोगों ने किया रक्तदान

विचार समिति प्रांगण में रक्तदाताओं से चर्चा करते हुए संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव के अंतर्गत विचार समिति द्वारा जिला चिकित्सालय के सहयोग से समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति पहले भी रक्तदान शिविरों का आयोजन करती आई है।

इस महादान के अवसर पर ज्योति चौहान सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय ने कहा कि 2003 में विचार समिति ने रक्तदान शुरू किया था। इसमें समिति से शफीक भाई का बड़ा योगदान था। प्रसव के दौरान महिलाओं में 24 प्रतिशत मृत्यु खून की कमी से होती है। रक्तदान करके समिति ने कई लोगों की जान बचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

डॉ. डी के गोस्वामी सीएमएचओ जिला चिकित्सालय, डॉ. राकेश भारद्वाज आफीसर जेडी आफिस, डॉ. रामकुमार प्रभारी ब्लड बैंक एवं पूरी टीम का सक्रिय सहयोग रहा।

मप्र भाजपा मंत्री लता वानखेड़े ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों को रक्तदान से डरना नहीं चाहिए इससे आपके शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

रक्तदान करती हुई विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल पटैल ने बताया कि आज पूरे विश्व में नरेन्द्र मोदी जी का डंका बज रहा है। उनके जन्मदिन पर सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद देता हूं।

नगर निगम एमआईसी सदस्य, तिलकगंज वार्ड पार्षद शेलेष केशरवानी ने बताया कि विचार समिति किसी पहचान की मोहताज नहीं है। रक्तदान को महादान माना जाता है, आपके रक्त की एक बूंद किसी की जिन्दगी बचा सकती है। लोगों में रक्तदान को लेकर जागरूकता बढ़ रही है, हमें भी इस सामाजिक दायित्व को आगे बढ़कर निभाना चाहिए। हमारे द्वारा किए गए रक्तदान से कई लोगों की जिंदगी बचती है।

रक्तदान के महत्व का अहसास तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है : मलैया

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि रक्तदान का कितना महत्व है इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश की जनता में आत्म विश्वास बढ़ा रहे हैं एवं प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सरोकार से जोड़ने का महान कार्य कर रहे हैं।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि लोगों के जीवन को अच्छा करने के लिए हमारा भी यह प्रयास

रक्तदाताओं का सम्मान करती हुई डॉ. ज्योति चौहान, कपिल मलैया, शैलेष केशरवानी, सुनीता अरिहंत।

होना चाहिए कि हम अधिक से अधिक खून दान करें, साथ ही अन्य लोगों को भी खून दान करने के लिए प्रेरित करें, ताकि हमारे खून दान करने से कभी किसी व्यक्ति को अगर खून की आवश्यकता पड़े, तो उसे खून दिया जा सके और उसकी जिंदगी बचाई जा सके।

समिति के उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया रक्तदान करने का सबसे महत्वपूर्ण फायदा यह होता है कि आप ऐसे व्यक्ति के आशीर्वाद को प्राप्त करते हैं, जिसके लिए आपका खून किसी न किसी प्रकार से उपयोगी साबित हुआ है और उसे एक नई जिंदगी प्राप्त हुई है।

राजकुमार नामदेव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके खून दान करने से सिर्फ एक ही नहीं बल्कि तीन से चार व्यक्तियों को जीवनदान मिलता है क्योंकि खून को अलग-अलग उपयोगी घटकों में डिवाइड किया जाता है, तो इस प्रकार आप एक बार खून दान करने से 1 से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाते हैं।

कार्यक्रम की व्यवस्था आदिनाथ के एचआर सविनय गुप्ता ने संभाली। इस अवसर पर पूनम पटैल, मनीष तिवारी, सुरजीत सिंह अहलूवालिया, समीर जैन आदि उपस्थित थे।

सभी रक्तदान करने वालों को सर्टिफिकेट और गोबर के दिए की किट भेंट की।

विचार सेवकों ने किया रक्तदान

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली में विचार समिति की टीम शामिल हुई

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली में समिति की टीम शामिल हुई।

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकली गई। नगर सांसद राजबहादुर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना की। जागरूकता रैली में विचार समिति के साथ एनसीसी छात्रों, नगर सेवकों के साथ इस रैली को सफल बनाया। विश्व साक्षरता अभियान 2022 थीम आधारित 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेस' का उद्देश्य सीखने के माहौल के साथ मौलिक अधिकार के पुनः मूल्यांकन करने और सभी के लिए उच्च गुणवत्ता, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के अवसर के रूप में कार्य करना। इस अवसर पर सांसद राज बहादुर सिंह ने कहा कि निरक्षरता आज के युग में अभिशाप के समान हैं। सरकार के द्वारा निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है, उन्हें शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। समिति ने कोरोनाकाल में अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान तथा लीफी चेंजमेकर अभियान के माध्यम से लगभग 1000 बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास कर रही है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। समिति सदस्यों में राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, भाग्यश्री राय, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, ज्योति दीदी, अरविंद अहिरवार आदि उपस्थित थे।

स्वस्थ, स्वच्छ खानपान एवं जीवन शैली के प्रति जागरूक लाना है : अमरीश दुबे

ईट राइट मेला में समिति ने लगाया गोमय उत्पादों का स्टॉल

गोमय उत्पादों की जानकारी देते हुए विचार समिति की टीम।

विचार समिति ने खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला सागर द्वारा आयोजित 'ईट राइट मेला 2022' का आयोजन अटल पार्क में किया गया। आयोजन की जानकारी देते हुए ईट राइट चैलेंज के नोडल अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे ने कहा कि ईट राइट मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वस्थ, स्वच्छ खानपान एवं जीवन शैली के प्रति जागरूक करना है, साथ ही सही स्वास्थ्यवर्धक वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना है। मुख्य अतिथि एडिशनल कलेक्टर अखिलेश जैन के मुख्य आतिथ्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विचार समिति ने स्वदेशी पूर्ण प्राकृतिक गोमय उत्पादों के साथ एक दिवसीय मेले में स्टॉल लगाकर अपनी सहभागिता रखी। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने उपस्थित अधिकारियों, नागरिकों को गोमय दियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा यह दिए पूर्ण प्राकृतिक, रसायन मुक्त, प्रदूषण रहित हैं। उपयोग पश्चात इन दियों को खाद के रूप में उपयोग किया जाएं तो पौधों के लिए बहुत ही लाभदायक है। दियों में मिश्रित औषधीय तत्वों का समावेश से घर में खुशबू महकती रहती है। समिति सदस्य राहुल अहिरवार ने दियों के निर्माण का उद्देश्य बताते हुए कहा कि गोमय दियों का निर्माण जरूरतमंद महिलाओं द्वारा जिनमें मोहल्ला विकास योजना एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से लघु उद्योग के तहत स्वरोजगार को बढ़ावा देना है।

गोमय क्रेताओं ने गोबर से दियों को बहुत ही सराहा। उन्होंने इनके उपयोग को बढ़ावा देने एवं जागरूकता पर जोर दिया।

निःस्वार्थ सेवाभाव से जुड़े बागवानी व पर्यावरण प्रेमियों का समिति ने किया सम्मान

समिति सदस्य राहुल अहिरवार पर्यावरण प्रेमी अजित नायक एवं डॉ. रविंद्र केशरवानी को वृक्ष भेंट करते हुए।

समिति पर्यावरण के क्षेत्र में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है साथ ही समाज में पर्यावरण के प्रति फैली उदासीनता को दूर करने में जागरूकता अभियान चला रही है।

हमारे बीच ऐसे समाजसेवी है जो लगातार निःस्वार्थ भाव से मानव सेवा, पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे है साथ ही अपने घरों में बहुत ही सुन्दर टेरेस गार्डन बनाकर पर्यावरण सरक्षण में अपना योगदान दे रहे है । समिति ने बागवानी प्रेमी व पर्यावरण प्रेमी अजित नायक एवं डॉ. रविंद्र केशरवानी को वृक्ष भेंट कर किया सम्मनित किया। अजित नायक ने इस अवसर पर कहा निःस्वार्थ सेवा का भाव रखना ही जीवन में कामयाबी का मूलमंत्र है।

निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। हम सभी को जीवन को उच्च आदर्शों की ओर ले जाने की कोशिश करना चाहिए। डॉ. रविंद्र केशरवानी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि केवल पौधा लगाने से ही हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती, बल्कि उसे पानी और सुरक्षा देकर पेड़ बनाना भी हमारी ही जिम्मेदारी हैं। विचार समिति की ओर से बहुत बहुत शुभकामनायें।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर — सागर 18-09-2022

मेगा कैंप में 102 लोगों ने किया रक्तदान, रक्तदाताओं को दिए गोबर से बने दीये

विचार समिति ने जिला अस्पताल के सहयोग से लगाया रक्तदान शिविर

भास्कर संवाददाता | सागर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान अमृत महोत्सव के तहत विचार समिति ने जिला अस्पताल के सहयोग से समिति प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट और गोबर के दीये की किट भेंट की गई। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. ज्योति चौहान ने कहा कि 2003 में समिति ने रक्तदान शिविर लगाना शुरू किया था। प्रसव के दौरान महिलाओं में 24 प्रतिशत मृत्यु खून की कमी से होती है। रक्तदान करके समिति ने कई लोगों की जान बचाने में योगदान दिया है। भाजपा की प्रदेश मंत्री लता वानखेड़े ने कहा कि लोगों को रक्तदान से डरना नहीं चाहिए। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल पटैल ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सभी रक्तदाताओं का आभार मानता हूं। नगर निगम एमआईसी सदस्य शैलेष केशरवानी ने कहा कि रक्तदान को महादान माना जाता है। आपके रक्त की एक बूंद किसी की जिन्दगी बचा सकती है। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि रक्तदान का कितना महत्व है। इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं, वहीं दूसरी ओर इससे आत्मसंतुष्टि मिलती है। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि हम अधिक से अधिक खून दान करें। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि आपका खून किसी न किसी प्रकार से उपयोगी साबित हुआ है। राजकुमार नामदेव ने कहा कि आपके खून दान करने से सिर्फ एक नहीं बल्कि तीन से चार व्यक्तियों को जीवनदान मिलता है। कार्यक्रम में सविनय गुप्ता, पूनम पटैल, मनीष तिवारी, सुरजीत सिंह अहलूवालिया, समीर जैन उपस्थित थे।

देशबन्धु — 18 Sep 2022 - Page 8

कपिल मलैया के नेतृत्व में 102 लोगों ने किया रक्तदान

सागर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विचार समिति द्वारा जिला चिकित्सालय के सहयोग से समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति पहले भी रक्तदान शिविरों का आयोजन करती आई है। इस अवसर पर ज्योति चौहान सिविल सर्जन ने कहा 2003 में विचार समिति ने रक्तदान शुरू किया था। इसमें समिति से शफीक भाई का बड़ा योगदान था। प्रसव के दौरान महिलाओं में 24 प्रतिशत मृत्यु खून की कमी से होती है। रक्तदान करके समिति ने कई लोगों की जान बचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। नगर निगम एमआईसी सदस्य शेलेष केशरवानी ने बताया विचार समिति किसी पहचान की मोहताज नहीं है। रक्तदान को महादान माना जाता है, आपके रक्त की एक बूंद किसी की जिन्दगी बचा सकती है। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा रक्तदान का कितना महत्व है इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। हमारे प्रधानमंत्री देश की जनता में आत्म विश्वास बढ़ा रहे हैं एवं प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सरोकार से जोड़ने का महान कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की व्यवस्था आदिनाथ के एच आर सविनय गुप्ता ने संभाली। इस अवसर पर पूनम पटैल, मनीष तिवारी, सुरजीत सिंह अहलूवालिया, समीर जैन आदि उपस्थित थे। सभी रक्तदान करने वालों को सर्टिफिकेट और गोबर के दिए की किट भेंट की।

ब्लड डोनेशन कैंप में 102 लोगों ने किया रक्तदान

पीपुल्स संवाददाता ● सागर
मो.नं. 9826021098

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव के अंतर्गत विचार समिति द्वारा जिला अस्पताल के सहयोग से समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर ज्योति चौहान सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय ने कहा कि 2003 में विचार समिति ने रक्तदान शुरू किया था। इसमें समिति से शफीक भाई का बड़ा योगदान था। डॉ. डीके गोस्वामी सीएमएचओ जिला चिकित्सालय, डॉ. राकेश भारद्वाज आफीसर जेडी आफिस, डॉ. रामकुमार प्रभारी ब्लड बैंक एवं पूरी टीम का सक्रिय सहयोग रहा। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने भी लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर पूनम पटेल, मनीष तिवारी,सुरजीत सिंह अहलूवालिया, समीर जैन आदि उपस्थित थे।

पत्रिका — Sagar City, 18/09/2022, Page 08

102 ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

शिविर में रक्त दान करते लोग।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव के अंतर्गत विचार समिति द्वारा जिला चिकित्सालय के सहयोग से समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि रक्तदान का महत्व बताया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि लता वानखेड़े, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल पटैल एवं तिलकगंज वार्ड पार्षद शैलेष केशरवानी ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, एचआर सविनय गुप्ता, पूनम पटैल, मनीष तिवारी, सुरजीत सिंह अहलूवालिया एवं समीर जैन आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 19-09-2022

स्वावलंबन के साथ पर्यावरण संरक्षण • विचार समिति द्वारा बनवाए जा रहे गोबर के दीये, 750 महिलाएं कर चुकीं 6.50 लाख दीया का निर्माण

दीपावली के लिए गोबर के ईकोफ्रेंडली दीये तैयार कर रहीं महिलाएं

भास्कर संवाददाता | सागर

गाय के गोबर से तैयार होने वाले दीयों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि ये दीये प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह बात रविवार को पत्रकारवार्ता में विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कही। उन्होंने बताया समिति दो वर्ष से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दीयों का निर्माण कर चुकी हैं। इस वर्ष के दीयों की खासियत यह है कि यह दीया गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं इसलिए ये पूर्णतः सुरक्षित हैं। ये पानी में तैर सकते हैं और

सागर| विचार संस्था द्वारा गाय के गोबर से बनाए जा रहे हैं दीये।

औसतन 45 मिनट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं। उन्होंने कहा शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मीजी का वास होता है। दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिए जलाए जाने वाले मिट्टी के दीयों के स्थान पर इस बार गोबर के दीयों से घर-आंगन रोशन होंगे। रंग-बिरंगे गोबर के ये दीये पहली बार बाजार में आ भी गए हैं। इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जो घर के वातावरण को, पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। दीयों को दीपावली में उपयोग करने के बाद जैविक खाद बनाने में उपयोग में लाया जा सकता है। इसके अवशेष को गमला या किचन गार्डन में भी उपयोग किया जा सकता है इसलिए गोबर के दीये ईको फ्रेंडली हैं। हम इन उत्पादों को बनाने में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया गया महिलाओं ने भी रुचि के साथ इस कार्य को सीखा। इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सभी दीये पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दीयों के अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दीये पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दीये ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

गाय का गोबर सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा ऐसी मान्यता है गाय का गोबर बहुत ज्यादा शुभ होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है। यदि आप गोबर का इस्तेमाल किसी भी कार्य में करते हैं तो आपको उसके शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। इसके अलावा कृषि में रासायनिक खाद्य और कीटनाशक पदार्थ की जगह गाय का गोबर इस्तेमाल करने से जहां भूमि की उर्वरता बनी रहती है, वहीं उत्पादन भी अधिक होता है। दूसरी ओर पैदा की जा रही सब्जी, फल या अनाज की फसल की गुणवत्ता भी बनी रहती है। जुताई करते समय गिरने वाले गोबर और गौमूत्र से भूमि में स्वतः खाद डलती जाती है।

आयोजन | 102 लोगों ने किया रक्तदान

विचार समिति ने आयोजित किया मेगा ब्लड डोनेशन कैंप

सागर, आचरण संवाददाता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव के अंतर्गत विचार समिति द्वारा जिला चिकित्सालय के सहयोग से समिति के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 लोगों ने रक्तदान किया। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति पहले भी रक्तदान शिविरों का आयोजन करती आई है। इस महादान के अवसर पर ज्योति चौहान सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय ने कहा कि 2003 में विचार समिति ने रक्तदान शुरू किया था। इसमें समिति से शफीक भाई का बड़ा योगदान था। प्रसव के दौरान महिलाओं में 24 प्रतिशत मृत्यु खून की कमी से होती है। रक्तदान करके समिति ने कई लोगों की जान बचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। डॉ. डीके गोस्वामी सीएमएचओ जिला चिकित्सालय, डॉ. राकेश भारद्वाज आफीसर जेडी आफिस, डॉ. रामकुमार प्रभारी ब्लड बैंक एवं पूरी टीम का सक्रिय सहयोग रहा। मप्र भाजपा मंत्री लता वानखेड़े ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों को रक्तदान से डरना नहीं चाहिए इससे आपके शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल पटैल ने बताया कि आज पूरे विश्व में नरेन्द्र मोदी

का डंका बज रहा है। पार्षद शैलेष केशरवानी ने बताया कि विचार समिति किसी पहचान की मोहताज नहीं है। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि रक्तदान का कितना महत्व है इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश की जनता में आत्म विश्वास बढ़ा रहे हैं एवं प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सरोकार से जोड़ने का महान कार्य कर रहे हैं। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सौरभ रांधेलिया, राजकुमार नामदेव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की व्यवस्था आदिनाथ के एचआर सविनय गुप्ता ने संभाली। इस अवसर पर पूनम पटैल, मनीष तिवारी, सुरजीत सिंह अहलूवालिया, समीर जैन आदि उपस्थित थे। सभी रक्तदान करने वालों को सर्टिफिकेट और गोबर के दिए की किट भेंट की।

मीडिया कवरेज

विचार समिति द्वारा बनवाए जा रहे हैं गोबर के दीपक

गोबर के दीये बना महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रहीं

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

गाय के गोबर से तैयार होने वाले दीयों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि यह दीए प्राकृतिक होने के साथ साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पत्रकार वर्ता मे विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया कहा कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दियों का निर्माण कर चुकी हैं। इस वर्ष के दियों की खासियत यह है कि यह दिया गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णतः सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं। शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास होता है। दीपावली पर घरों को रोशन करने के लिये जलाये जाने वाले मिट्टी के दियों के स्थान पर इस बार गोबर के दियों से घर आंगन रोशन होंगे। रंग.बिरंगे गोबर के ये दीए पहली बार बाजार में आ भी गए हैं। इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया व महिलाओं ने बड़े ही रुचि के साथ इस कार्य को सीखा। इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ेंगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

दिवाली पर गोबर से बने दीपक करेंगे घर आंगन रोशन

गोबर के दिये बनाकर महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रहीं: कपिल मलैया

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

गाय के गोबर से तैयार होने वाले दियों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि यह दिए प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दियों का निर्माण कर चुकी हैं।

इस वर्ष के दियों की खासियत यह है कि यह दिया गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णतः सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं, औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं। दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिये जलाये जाने वाले मिट्टी के दियों के पर इस बार गोबर के दियों से घर आंगन रोशन होंगे। रंग-बिरंगे गोबर के ये दिये पहली बार बाजार में आ भी गए हैं। शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास है। इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। दीये को दीपावली में उपयोग करने के बाद जैविक खाद बनाने उपयोग में लाया जा सकता है। दीये के अवशेष को गमला या कीचन गार्डन में भी उपयोग किया जा सकता है। इसलिए गोबर के दिये को ईको फ्रेंडली माना जाता है। अब हम इन उत्पादों को बनाने में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। जिसमें महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया व महिलाओं ने बड़े ही रुचि के साथ इस कार्य को सीखा। इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ेगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दिए टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं एवं अन्य सभी जानकारियां उन्हें दी जाती है । इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं । सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दीये ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

मीडिया कवरेज

गोबर के दीपक बनाकर महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन की ओर आगे बढ़ रहीं

सागर, आचण संवाददाता।

गाय के गोबर से तैयार होने वाले दियों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि यह दिए प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दियों का निर्माण कर चुकी हैं। इस वर्ष के दियों की खासियत यह है कि यह दिया गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णतः सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं। शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास होता है। दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिये जलाये जाने वाले मिट्टी के दियों के स्थान पर इस बार गोबर के दियों से घर-आंगन रोशन होंगे। रंग-बिरंगे गोबर के ये दीए पहली बार बाजार में आ भी गए हैं।

इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। दीये को दीपावली में उपयोग करने के बाद जैविक खाद बनाने उपयोग में लाया जा सकता है। दीये के अवशेष को गमला या कीचन गार्डन में भी उपयोग किया जा सकता है। इसलिए गोबर के दिये को ईको फ्रेंडली माना जाता है। अब हम इन उत्पादों को बनाने में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। जिसमें महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया व महिलाओं ने बड़े ही रुचि के साथ इस कार्य को सीखा। इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ेगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दिए टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं एवं अन्य सभी जानकारियां उन्हें दी जाती है। इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं। इस अवसर पर विनय मलैया, नितिन पटैरिया, मालती अहिरवार सहित समिति से जुड़े अन्य लोग मौजूद थे।

दीपावली के लिए 750 महिलाओं ने बनाए साढ़े छह लाख गोबर के दीपक

प्रवेश संवाद सागर. इस वर्ष भी विचार समिति द्वारा दीपावली के लिए गोबर के दीपक तैयार कराए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए 750 महिलाएं दिन-रात काम कर रही हैं। अब तक साढ़े छह लाख दीपक तैयार भी हो चुके हैं। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया बताते हैं कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। गाय के गोबर से तैयार होने वाले दीपकों की बाजार में बहुत मांग है। इसका मुख्य कारण है कि यह दिए प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं। इस वर्ष के दीपकों की खासियत यह है कि यह दीपक गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णतः सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं और औसतन 45 मिनट से सवा घंटे तक जलते हैं।

शास्त्रों में भी गोबर का महत्व: कपिल मलैया ने बताया कि शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास होता है । दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिए जलाए जाने वाले मिट्टी के दीपकों के स्थान पर इस बार गोबर के दीपकों से घर-आंगन रोशन होंगे। रंग-बिरंगे गोबर के दीपक पहली बार बाजार में आ भी गए हैं। इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी।

ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीद सकते हैं: महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दीपक विचार टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं। इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

देशबन्धु

दिवाली पर गोबर से बने दीपक करेंगे घर आंगन रोशन

सागर, देशबन्धु। गाय के गोबर से तैयार होने वाले दियों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि यह दिए प्राकृतिक होने के साथ.साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया बताते हैं कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है। 750 महिलाएं 6.50 लाख से अधिक गोबर के दियों का निर्माण कर चुकी हैं। इस वर्ष के दियों की खासियत यह है कि यह दिया गोबर से बने होने के बावजूद आग नहीं पकड़ते हैं। इसलिए यह पूर्णत: सुरक्षित हैं। यह पानी में तैर सकते हैं औसतन 45 मिनिट से सवा घंटे तक जलते हैं एवं बहुत सुंदर हैं। दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिये जलाये जाने वाले मिट्टी के दियों के स्थान पर इस बार गोबर के दियों से घर.आंगन रोशन होंगे। महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दिए टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं एवं अन्य सभी जानकारियां उन्हें दी जाती है। इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग.बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग.बिरंगे दिए ऑफ्लाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

विचार समिति द्वारा बनवाए जा रहे हैं गोबर के दिये, यहां महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ ...

khabarkaasar.com

https://khabarkaasar.com/2022/09/cow-dung-lamps-are-being-made-by-vichar-samiti-here-women-are-moving-towards-economic-self-reliance/ 12:25 PM ✓

गोबर के दिये बनाकर महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रहीं - MainKeyNews.com

विचार समिति द्वारा बनवाए जा रहे हैं गोबर के दिये गाय के ...

www.mainkeynews.com

गोबर के दिये बनाकर महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रहीं

https://www.mainkeynews.com/women-are-moving-towards-economic-self-reliance-by-making-cow-dung-lamps/ 12:25 PM ✓

SAGAR TV NEWS (STVN INDIA)

सागर-गोबर से यह महिलाएं महीने में कमा रही 10 हजार रू...

sagartvnews.com

सागर-गोबर से यह महिलाएं महीने में कमा रही 10 हजार रूपये तक देखिए

https://sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=16504

Sagar Nagar, Sagar : सागर नगर: तिलकगंज में गोबर के दिये बनाकर आर्थि...

Sagar Nagar, Sagar : सागर नगर: तिलकगंज...

public.app

तिलकगंज में गोबर के दिये बनाकर आर्थिक स्वावलंबन से जुड़ रही महिलाएं, कार्यालय में किया दीयों का प्रदर्शन https://publicapp.co.in/video/sp_muvplpvceybhh?share=true 2:09 PM ✓

अब आग नहीं पकड़ेंगे गोबर के दिए . 3 साल की मेहनत के बाद विचार ने खोजा फॉर्मूला

www.youtube.com

https://youtu.be/jxN8TSoZLL4

2:04 PM ✓

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI
VICHAR SAMITI
Pay With Any App
G Pay Paytm PhonePe
WhatsApp amazon
150+ Apps
Powered By BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsamiti.in
Facebook : Vichar Samiti
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488
Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002